मेवाड़ में आरटीआई पर नेशनल सेमिनार आयोजित

32 विद्यार्थियों ने आरटीआई को जनहित में बताया उपयोगी

- वक्ताओं ने आरटीआई के महत्व और इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला

- कहा 'आरटीआई भ्रष्टाचार के खिलाफ ब्रहमास्त्र है'

गाजियाबाद। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के एचएसएस विभाग द्वारा आरटीआई पर आयोजित नेशनल सेमिनार में 250 विद्यार्थियों ने भाग लेकर 32 पर्चे पढ़े और आरटीआई के महत्व और इसकी आवश्यकता पर विचार व्यक्त किये। वक्ताओं समेत सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों ने माना कि आरटीआई जनहित के लिए बहुत जरूरी है। इसके सही इस्तेमाल से समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार को दूर किया जा सकता है।

गुरु गोविन्द सिंह इन्द्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी में ट्रेनिंग व प्लेसमेंट विभाग के अध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार ने कहा कि किसी भी सरकारी विभाग की जो जानकारी गोपनीयता की श्रेणी में न हो, उसे आरटीआई के जरिये हासिल किया जा सकता है। माखनलाल नेशनल मीडिया यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर डॉ. अरुण भगत ने सूचना के अधिकार में मीडिया की भूमिका पर प्रकाश डाला तो मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने कहा कि सूचना का अधिकार भ्रष्टाचार के खिलाफ एक ब्रह्मास्त्र है। हम सभी को सूचना एकत्र करने के लिए इसका सदुपयोग करना चाहिए। मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी से डॉ. सुरेश चंद्र नायक, हरियाणा मास कम्युनिकेशन के विभागाध्यक्ष डॉ. अमिताभ श्रीवास्तव आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मेवाड़ इंस्टीट्यूशंस की निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने अपने सम्भाषण से सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। छात्रा यति त्रिपाठी ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। दो सत्रों में चली सेमिनार का संचालन अमित पाराशर व अनुराधा विल्सन ने किया। अंत में एचएसएस विभाग की अध्यक्ष वियंता पाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

National Seminar
Friday, April 21, 2017
Dr. Alka Agarwal
Dr. Dilip Kumar
Ashok Kr. Singhal
Mewar Institute

Mewar Institute
Organises
NATIONAL SEMINAR
ON RIGHT TO INFORMATION ACT

RTI – Propagation and Publicity
MEWAR INSTITUTE

RTI – Propagation and Publicity
MEWAR INSTITUTE
Dr. Amitabh Srivastava
Dr. Alka Agarwal

RTI –
Propagation
and Publicity
MEWAR
INSTITUTE